This question paper contains 4 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **5004**

Unique Paper Code : **205282** C

Name of the Course : **B.Com. (Hons.) Hindi**

Name of the Paper : **Paper CP 2.5—HINDI LANGUAGE (B)**

प्रश्न-पत्र CP 2.5—हिंदी भाषा (ख)

Semester : **II**

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. राजभाषा से क्या अभिप्राय है ? स्पष्ट कीजिए । 3

अथवा

'एकता में बल है' अथवा 'परिश्रम सफलता की कुँजी है' का पल्लवन कीजिए ।

2. ''हिंदी भाषा के विकास'' का सामान्य परिचय दीजिए । 3

अथवा

हिंदी की किसी एक बोली का सामान्य परिचय दीजिए ।

3. (क) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **पाँच** के शुद्ध रूप लिखिए : 5

अतिथी, कबी, दयालू, मुकट, कुटंब, प्रभू, ग्यान, नविन, परतीक्षा ।

(ख) किन्हीं **पाँच** के शुद्ध रूप लिखिए : 5

(*i*) घड़ी अचानक से रुक गई ।

P.T.O.

(*ii*) उसकी शोभा देखती बनती है ।

(*iii*) मैं निबंध लिख दिया ।

(*iv*) वह पढ़ने को गया ।

(*v*) मैंने चिट्ठी लिखा था ।

(*vi*) वह रोता-रोता बोला ।

(*vii*) पारस ने कुछ देर पर कहा ।

4. किन्हीं **पाँच** मुहावरों और लोकोक्तियों के अर्थ लिखिए : 5

(*i*) नौ दो ग्यारह होना ।

(*ii*) अंधे की लाठी ।

(*iii*) आग लगाना ।

(*iv*) कमर कसना

(*v*) जहाज का पंछी

(*vi*) आँखें चार होना ।

(*vii*) अपना हाथ जगन्नाथ,

(*viii*) कंगाली में आटा गीला

(*ix*) घर की मुर्गी दाल बराबर

(*x*) हाथ कंगन को आरसी क्या ।

5. पंचवटी का कथा सार लिखिए । 12

अथवा

'पंचवटी' के किसी **एक** पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

6. 'रक्षाबंधन' नाटक का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए । 12

अथवा

कर्मवती **अथवा** हुमायूँ के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए ।

7. 'कर्मभूमि' की मुख्य समस्या पर विचार कीजिए । 12

अथवा

सुखदा **अथवा** अमरकान्त का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

8. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) सरल तरल जिन तुहिन कणों से
हँसती हर्षित होती है,
अति आत्मीया प्रकृति हमारे
साथ उन्हीं से रोती है । 6

अथवा

विधि की बात बड़ों से पूछो
वे ही उसे मानते हैं,
मैं पुरुषार्थ पक्षपाती हूँ,
इसको सभी जानते हैं ।

(ख) अमरकान्त ने अभी सिद्धान्त से समझौता करना न सीखा था । कार्यक्षेत्र में कुछ दिन रह जाने और संसार के कड़वे अनुभव हो जाने के बाद हमारी प्रकृति में जो ढीलापन आ जाता है, उस परिस्थिति में वह न पड़ा था । नवदीक्षितों को सिद्धान्त में जो अटल भक्ति होती है, वह उसमें भी थी । 6

अथवा

नग्न शब्दों में राजनीति का अर्थ है बहुरूपियाना । सफल राजनीतिज्ञ वही है, जो समय देख कर नीति, राष्ट्रीयता, जाति, धर्म, सब कुछ बदल सके; जिसका अपना कोई सिद्धान्त न हो, जो समय की गति के विरुद्ध सूखे सिद्धान्तों से चिपके रहने की कट्टरता, संकीर्णता, प्रकट न करे ।

(ग) पश्चाताप की आग से मेरा हृदय जल रहा है । जिन्हें तुमने अभी नीच कहा है, वे वसुंधरा के लिए भगवान के आशीर्वाद हैं – वरदान हैं । भीलराज का अपमान कर तुमने मेवाड़ पर देवताओं के अभिशाप को आमंत्रित किया है । 6

अथवा

कितना खुशनुमा है आपका देश महाराणा ! आसमान से बातें करने वाले हरे-भरे पहाड़, कलकल छलछल करते हुए नाचते-कूदते जाने वाले झरने, समंदर से होड़ करने वाले तालाब, बहिरत के बगीचों को मात करने वाले बाग, घने जंगल ! कुदरत ने गोया अपनी सारी दौलत यहीं बिखेर दी है ।